राष्ट्रीय पुस्तक व्यापार निगम

*433. **श्री कपिल वर्मा :**
श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार राष्ट्रीय पुस्तक व्यापार निगम का गठन करने का विचार रखती है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार एजेंसियों द्वारा हर वर्ष बड़ी संख्या में पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है और यदि हां, तो ऐसे प्रकाशनों की संख्या क्या है और उनके लिए बजट में कितनी राशि की व्यवस्था की गई है, और ;

(ग) इन पुस्तकों की बिक्री के लिए वर्तमान में क्या व्यवस्थायें की गई हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) से (ग) केंद्रीय सरकार के विभिन्न मंत्रालय/विभाग और उनके द्वारा स्थापित अनेक स्वायत्त संगठन अपने कार्यकलापों से संबंधित पुस्तकें प्रकाशित करते हैं । इनमें से कुछ सामूल्य प्रकाशन हैं जो बिक्री के लिए होते हैं, अन्य प्रकाशनों का वितरण इस ढंग से किया जाता है जिसे पुस्तकें प्रकाशित करने वाली ऐजेंसी द्वारा उपयुक्त समझा जाता है । जहां तक पुस्तकों की बिक्री का संबंध है इसकी पद्धति, निजी बिक्री माध्यमों और इस उद्देश्य के लिए विशेष-रूप से स्थापित बिक्री केंद्रों में भिन्न-भिन्न है । मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) मुख्यतया अपनी स्वायत्त एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में पुस्तकें प्रकाशित करता है । राष्ट्रीय पुस्तक न्यास को विभिन्न एजेंसियों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की बिक्री के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक पुस्तक वितरण एजेंसी स्थापित करने संबंधी एक परियोजना तैयार करने की की जिम्मेदारी सौंपी है । राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने परियोजना से संबंधित एक व्यवहार्य रिपोर्ट तैयार करने के लिए टाटा कन्सल्टैन्सी सर्विसेज को नियुक्त किया है ।

उत्तर प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों को सहायता

*434. **श्री ईश दत्त यादव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में कुल कितने कृषि विश्वविद्यालय हैं ;

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरान उपरोक्त प्रत्येक विश्वविद्यालय द्वारा कितनी धनराशि की मांग की गई और कितनी राशि आवंटित की गई ;

(ग) क्या यह सच है कि आवंटित राशि, मांगी गई राशि की अपेक्षा कम है ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी मांग की अपेक्षा कम राशि आवंटित किए जाने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) : (क) महोदय, उत्तर प्रदेश में तीन कृषि विश्वविद्यालय हैं ।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक विश्वविद्यालय द्वारा मांगा गया विकास अनुदान और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा रिलीज की गयी राशि संलग्न विवरण में दी गयी है । **(नीचे देखिए)**

(ग) कुछ मामलों में आवंटित राशि मांगी गयी राशि से कम थी ।

(घ) अनुदान की राशि योजना के अंतर्गत उपलब्ध कुल आवंटित धनराशि को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत की गई थी ।

विवरण

उत्तर प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालयों को रिलीज की गयी विकास अनुदान की धनराशि

कृषि विश्वविद्यालय का नाम	वर्ष	मांगी गयी राशि	रिलीज की गयी राशि
		(लाख रुपयों में)	
गोविन्द बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर	1988–89	11.8	10.00
	1989–90	13.34	13.44
	1990–91	77.63	30.00
चन्द्रशेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर	1988–89	84.82	25.00
	1989–90	17.00	17.00
	1990–91	30.00	30.00
नरेन्द्र देव कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फैजाबाद	1988–90	15.85	15.70
	1989–90	27.34	27.37
	1990–91	95.00	30.00

Postal Staff College at Hyderabad

*435. DR. NARREDY THULASI REDDY: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to start a postal staff college at Hyderabad to cater to the training needs of higher administrative and executive officers from South India; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI RAJESH PILOT): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Assistance to Indian students in Soviet Union

*436. SHRI MENTAY PADAMANABHAM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) wether it is a fact tha a large number of Indian students are presently studying in the Soviet Union;

(b) whether Government have teken any steps to examine the difficulties of those students due to the recent political and economic changes there;

(c) whether any liasion has been maintained with our Embassy in the USSR in the matter; and

(d) what steps are being taken to assist our students in the USSR?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) There are 3409 students studying in the Soviet Union of which 19 students have been sponsored by the Ministry of Human Resource Development (Department of Education) anda 205 by the Medical Council of India.

(b) to (d) Indian students in the USSR are not facing any special problem which are not experienced by other foreigners or even Soviet citizens arising out of recent developments. Our Embassy in Moscow is in touch with the students and Soviet authorities and has taken up the question of enhancement of stipend for students with the concerned Soviet authorities.